

#### असाधारण

#### EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii) प्राधिकार से प्रकाशित

#### PUBLISHED BY AUTHORITY

ਸਂ. 2165] No. 2165] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्तूबर 8, 2015/आश्विन 16, 1937 NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 8, 2015/ASVINA 16, 1937

# गृह मंत्रालय

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अक्तूबर, 2015

का.आ. 2730(अ).—केंद्रीय सरकार द्वारा ओमान सल्तनत की सरकार के साथ ओमान सल्तनत में किसी व्यक्ति पर दांडिक मामलों के संबंध में समन या वारंट की तामील या कार्यान्वयन के लिए इंतजाम किए गए हैं;

अत:, अब, केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उपधारा (1) के खंड (ii) के अनुसरण में यह विनिर्दिष्ट करती है कि –

- (क) किसी अभियुक्त व्यक्ति को समन, या
- (ख) किसी व्यक्ति को उसे हाजिर होने और दस्तावेजों या अन्य चीज को प्रस्तुत करने या उसे हाजिर करने के लिए समन, या
- (ग) तलाशी वारंट

भारत में किसी न्यायालय द्वारा दो प्रतियों में ओमान सल्तनत में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन अधिकारिता रखने वाले उस देश के किसी न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट को सक्षम प्राधिकारी द्वारा अर्थात् ओमान सल्तनत की सरकार की रायल ओमान पुलिस से उसमें नामित व्यक्ति पर ऐसे समन की तामील या ऐसे वारंट के निष्पादन के लिए जारी किया जा सकेगा। भारत में संबंधित न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट से समन जारी करते समय गृह मंत्रालय के पत्र सं. 25016/17/2007-विधिक प्रकोष्ठ, तारीख 11 फरवरी, 2009 में अंतर्विष्ट समग्र मार्गदर्शक सिद्धांतों का अनुपालन करना अपेक्षित होगा।

4255 GI/2015 (1)

2. केंद्रीय सरकार यह और निदेश देती है कि ऐसा समन या वारंट ओमान सल्तनत की सरकार की रायल ओमान पुलिस को पारेषित करने के लिए आई एस-2 प्रभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली को भेजा जाएगा।

> [फा.सं. 12015/4/2015-आईसी-3] केशव कुमार पाठक, संयुक्त सचिव

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 8th October, 2015

**S.O. 2730(E).**—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of the Sultanate of Oman for service or execution of summons or warrant in relation to criminal matters, on any person in Sultanate of Oman;

Now, therefore, in pursuance of clause (ii) of sub-section (1) of section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that –

- (a) a summons to an accused person, or
- (b) a summons to any person requiring him to attend and produce documents or other thing, or to produce it, or
- (c) a search-warrant

may be issued by a Court in India in duplicate, to the Court, Judge or Magistrate in the Sultanate of Oman, having authority under the law for the time being in force in that country, through the Competent Authority, that is, the Royal Oman Police of the Government of Sultanate of Oman to serve such summons or execute such warrant on the person named therein. The concerned Court, Judge or Magistrate in India, while issuing summons are required to comply with the comprehensive guidelines contained in Ministry of Home Affairs letter No.25016/17/2007-Legal Cell dated the 11<sup>th</sup> February, 2009.

2. The Central Government further directs that such summons or warrant shall be sent to the IS-II Division of the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Competent Authority, that is, the Royal Oman Police of the Government of Sultanate of Oman.

[F. No. 12015/4/2015-IC-III] KESHAV KUMAR PATHAK, Jt. Secy.

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अक्तूबर, 2015

का.आ. 2731(अ).—केंद्रीय सरकार द्वारा ओमान सल्तनत की सरकार के साथ ओमान सल्तनत में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में, समन की तामील या वारंट का निष्पादन करने के लिए इंतजाम किया गया है;

अत:, अब, केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उपधारा (2) के परंतुक के अनुसरण में यह विनिर्दिष्ट करती है कि जब भारत का कोई न्यायालय किसी ऐसे समन या तलाशी वारंट का निष्पादन करता है जो ओमान सल्तनत में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन अधिकारिता रखने वाले किसी न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट से प्राप्त हुआ है तो ऐसे मामलों में प्रस्तुत दस्तावेजों या चीजों या तलाशी में

पाई गई वस्तुओं को ऐसे समन या तलाशी वारंट जारी करने वाले न्यायालय को पारेषित करने के लिए आई एस-2 प्रभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली को भेजा जाएगा।

> [फा. सं. 12015/4/2015-आईसी-3] केशव कुमार पाठक, संयुक्त सचिव

### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th October, 2015

**S.O.** 2731(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of the Sultanate of Oman for services or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in Sultanate of Oman;

Now, therefore, in pursuance of the proviso to sub-section (2) of section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that in case where a Court in India executes any summons or search warrant received from a Court, Judge or Magistrate in Sultanate of Oman, having authority under the law for the time being in force in that country, the documents or things produced or things found in search shall be forwarded to the Court issuing such summons or search warrant through IS-II Division of the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

[F. No. 12015/4/2015-IC-III]

KESHAV KUMAR PATHAK, Jt. Secy.

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अक्तूबर, 2015

का.आ. 2732(अ).—केंद्रीय सरकार द्वारा ओमान सल्तनत की सरकार के साथ ओमान सल्तनत में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में, समन की तामील या वारंट का निष्पादन करने के लिए इंतजाम किया गया है:

अत:, अब, केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105ख की उप-धारा (2) के अनुसरण में यह विनिर्दिष्ट करती है कि किसी आपराधिक मामले में किसी अन्वेषण या जांच के अनुक्रम में किसी व्यक्ति की उपस्थिति के लिए समन जिनकी ओमान सल्तनत में किसी स्थान पर तामील या निष्पादन किया जाना है को इससे उपाबद्ध प्ररूप में जारी किया जाएगा और ऐसे समनों को आई एस-2 प्रभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को सक्षम प्राधिकारी अर्थात् ओमान सल्तनत सरकार की रायल ओमान पुलिस को पारेषित किए जाने के लिए भेजा जाएगा।

## प्ररुप साक्षियों को समन

[दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 105ख की उपधारा (2) देखिए]

सेवा में

ओमान सल्तनत में न्यायालय या न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट

(द्वारा सक्षम प्राधिकारी अर्थात् ओमान सल्तनत की सरकार की रायल ओमान पुलिस)

मेरे समक्ष यह आवेदन किया गया है कि (अभियुक्त का नाम) (पता) (या जो उस बात के लिए संदिग्ध है) ने अपराध (समय और स्थल के साथ अपराध का संक्षिप्त विवरण) कारित किया है और मुझे यह प्रतीत होता है कि आप अभियोजन के लिए तात्विक साक्षय दे सकते हैं या कोई दस्तावेज या अन्य चीज प्रस्तुत कर सकते हैं;

इसलिए आप ऐसे दस्तावेजों या चीज को प्रस्तुत करने के लिए या इसका साक्ष्य देने के लिए कि आप उक्त आवेदन के विषय के बारे में क्या जानते हैं । न्यायालय के समक्ष.......दिन को ......पात:/अपराहन में हाजिर हों, और उसके पश्चात् न्यायालय के आदेश के बिना न जाएं और आपको इसके द्वारा यह चेतावनी दी जाती है कि यदि आप उक्त तारीख को न्यायसंगत हेतुक के बिना हाजिर नहीं होंगे या उससे इंकार करेंगे, तो आपको हाजिर होने से बाध्य करने के लिए एक वारंट जारी किया जाएगा।

यह मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख......20...... को प्रदत्त किया गया है न्यायालय की मुद्रा

> न्यायालय/मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर [फा. सं. 12015/4/2015-आईसी-3] केशव कुमार पाठक, संयुक्त सचिव

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th October, 2015

**S.O. 2732(E).**—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of the Sultanate of Oman, for services or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in Sultanate of Oman;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (2) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that a summons for attendance of a person in the course of an investigation or inquiry in any criminal case, to be served or executed in any place in Sultanate of Oman, shall be issued in the form annexed hereto, and such summons shall be sent to IS-II Division of the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Competent Authority, that is, the Royal Oman Police or of the Government of Sultanate of Oman.

#### **FORM**

#### **SUMMONS TO WITNESS**

| [See sub-section (2) of sect  | ion 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973]                           |    |
|-------------------------------|---|----|
| То                            |   |    |
| The Court or Judge/Magist     | rate in Sultanate of Oman   |    |
| (Through the Competent Oman.) | Authority, that is, the Royal Oman Police of the Government of Sultanate of | of |

Whereas an application has been made before me that (Name of the accused) of (address) has (or is suspected to have) committed the offence of (state the offence concisely with time and place) and it appears to me that you are likely to give material evidence or to produce any document or other thing for the prosecution;

Given under my hand and the seal of the Court this ------day of ------20 ..... Seal of the Court

Signature of the Judge/Magistrate [F. No. 12015/4/2015-IC-III] KESHAV KUMAR PATHAK, Jt. Secy.

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अक्तूबर, 2015

का.आ. 2733(अ).—केंद्रीय सरकार द्वारा ओमान सल्तनत की सरकार के साथ भारत के न्यायालयों में आपराधिक मामलों के संबंध में ओमान सल्तनत में निवास कर रहे साक्षियों का साक्ष्य लेने के लिए इंतजाम किया है;

अत:, अब, केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 285 की उपधारा (3) के अनुसरण में यह विनिर्दिष्ट करती है कि -

- (क) ओमान सल्तनत में साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन भारत के न्यायालयों द्वारा इससे उपाबद्ध प्ररुप में, ओमान सल्तनत के किसी सक्षम दंड न्यायालय को जिसे ओमान सल्तनत में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त है, जारी किया जाएगा; और
- (ख) ऐसा कमीशन आई एस-2 प्रभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को ओमान सल्तनत की सरकार के सक्षम प्राधिकारी अर्थात् रायल ओमान पुलिस को पारेषण के लिए।

# प्ररुप भारत से बाहर साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन

[दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 285 की उप-धारा (3) देखिए]

| सेवा में  |
|---|
| न्यायालय  |
|   |
|   |
| (द्वारा गृह मत्रालय, मारत सरकार, गर्डा ५००त)<br>मुझे यह प्रतीत होता है कि मामला संख्याबनाम न्यायालय   |
| में   |
| सीमाओं के भीतर निवास कर रहा है/रही है, और उसकी हाजिरी को अयुक्तियुक्त विलंब, व्यय या असुविधा वे<br>बिना उपाप्त नहीं किया जा सकता है, मैं इसके द्वारा यह अनुरोध करता हूं कि आप उपरोक्त कारणों से और उक्त |
| न्यायालय की सहायता के लिए उक्त साक्षी का ऐसे समय और स्थान पर जो आप नियत करें, हाजिर होने के लिए   |
| समन करें और ऐसे साक्षियों की परीक्षा उन परिप्रश्नों (मौखिक परीक्षा के लिए) के आधार पर करवाएं जो इस  |
| कमीशन के साथ भेजे जा रहे हैं;   |
| कार्यवाही का कोई पक्षकार आपके समक्ष अपने काउंसेल या अभिकर्ता द्वारा या यदि अभिरक्षा में नहीं है ते  |
| स्वयं हाजिर हो सकेगा और उक्त साक्षी की (यथास्थिति) परीक्षा, प्रतिपरीक्षा या पुन:परीक्षा कर सकेगा;   |
| और, मैं, आपसे यह अनुरोध करता हूं कि आप उक्त साक्षी के उत्तर लेखबद्ध करवाएं और उन सभी बहियों<br>पत्रों, कागजों और दस्तावेजों को पहचान के लिए सम्यक रुप से चिन्हित कराएं जो ऐसी परीक्षा के दौरान पेश किए  |
| जाएं,और आपसे यह भी अनुरोध करता हूं कि आप ऐसी परीक्षा को अपनी सरकारी मुद्रा और अपने हस्ताक्षर द्वार  |
| अधिप्रमाणित करें और उसे इस कमीशन के साथ अद्योहस्ताक्षरी को गृह मंत्रालय (आई एस-2 खंड), भारत सरकार   |
| नई दिल्ली के द्वारा भेजें ।<br>यह मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख20 को प्रदत्त किया गया ।  |
| पह मर हरताबार जार प्यापालय यम मुद्रा य जवाम ताराख20 यम प्रदर्त यिया गया ।   |
| न्यायालय की मुद्रा  |

[फा. सं. 12015/4/2015-आईसी-3] केशव कुमार पाठक, संयुक्त सचिव

न्यायालय/मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर

KESHAV KUMAR PATHAK, Jt. Secy.

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th October, 2015

**S.O. 2733(E).**—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Sultanate of Oman for taking the evidence of witnesses residing in Sultanate of Oman in relation to criminal matters in Courts in India;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of Section 285 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that -

- (a) commission for examination of witnesses in Sultanate of Oman shall be issued by the Courts in India in the form annexed hereto, to any competent criminal court of Sultanate of Oman having authority under the law for the time being in force in Sultanate of Oman; and
- (b) such Commission shall be sent to IS-II Division of the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi for transmission to the Competent Authority, that is, the Royal Oman Police of the Government of Sultanate of Oman.

#### **FORM**

#### COMMISSION TO EXAMINE WITNESS OUTSIDE INDIA

[See sub-section (3) of section 285 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974)]

| IN THE COURT OF   |  |
|---|--|
| То  |  |
| (Through the Government of India, Ministry of I   | Home Affairs,  |
| New Delhi.)   |  |
| Whereas it appears to me that the evidence of justice in case No, Vs,   | is necessary for the ends of   |
| and that such witness is residing within the local limits procured without unreasonable delay, expense or inconvoto request and do hereby request that for the reasons af will be pleased to summon the said witness to attend at swill cause such witness to be examined upon the interroguece); | of your jurisdiction and his/her attendance cannot be venience, I, have the honour oresaid and for the assistance of the said Court, you such time and place as you shall appoint and that you |
| Any party to the proceeding may appear before in person, and may examine, cross-examine or re-examine   | you by his/her Counsel or agent or, if not in custody, he (as the case may be) the said witness;   |
| And, I, further have the honour to request that witness to be reduced into writing and all books, le examination to be duly marked for identification and t examination by your official seal and signature and to r undersigned through IS II Division of the Ministry of Ho                     | hat you will be further pleased to authenticate such<br>eturn the same together with this Commission to the  |
| Given under my hand and the seal of the Cour 20   | rt this day of   |
| Seal of the Court   | Signature of the   |
|   | Judge/Magistrate   |
|   | [F. No. 12015/4/2015-IC-III]   |

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अक्तूबर, 2015

का.आ. 2734(अ).—केंद्रीय सरकार द्वारा ओमान सल्तनत की सरकार के साथ ओमान सल्तनत में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में, समन की तामील या वारंट का निष्पादन के लिए इंतजाम किया गया है;

अत: केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 290 की उपधारा (2) के खंड (ख) के अनुसरण में ओमान सल्तनत में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले ऐसे सभी न्यायालयों, न्यायाधीशों या मजिस्ट्रेटों को जिन्हें ओमान सल्तनत में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त हैं, ऐसे न्यायालयों के रूप में विनिर्दिष्ट करती है, जिनके द्वारा भारत में निवास कर रहे साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन जारी किया जा सकेगा ।

> [फा. सं. 12015/4/2015-आईसी-3] केशव कुमार पाठक, संयुक्त सचिव

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th October, 2015

S.O. 2734(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Sultanate of Oman for service or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in Sultanate of Oman;

Now, therefore, in pursuance of clause (b) of sub-section (2) of section 290 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that all Courts, Judges or Magistrates exercising jurisdiction in Sultanate of Oman having authority under the law in force in Sultanate of Oman as the Courts by which the Commission for the examination of witnesses residing in India may be issued.

> [F. No.12015/4/2015-IC-III] KESHAV KUMAR PATHAK, Jt. Secy.

**अधिसूचना** नई दिल्ली, 8 अक्तूबर, 2015

का.आ. 2735(अ).—केंद्रीय सरकार ने ओमान सल्तनत की सरकार के साथ ओमान सल्तनत में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में, समन की तामील या वारंट का निष्पादन के लिए इंतजाम किया गया है;

अत:, अब, केंद्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105ठ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त संहिता के अध्याय 7क के उपबंध ओमान सल्तनत के संबंध में बिना किसी शर्त, अपवाद या प्रतिबंध के इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

> [फा. सं. 12015/4/2015-आईसी-3] केशव कमार पाठक, संयक्त सचिव

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th October, 2015

S.O. 2735(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Sultanate of Oman for service or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in Sultanate of Oman;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 105L of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that the provisions of Chapter VIIA of the said Code shall apply without any condition, exception or qualification in relation to Sultanate of Oman with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

> [F. No.12015/4/2015-IC-III] KESHAV KUMAR PATHAK, Jt. Secy.